MSW-007
MSW-008
MSW-009
MSW-017
MSWE-001
MSWE-002
MSWE-003
MSWE-007
MSW-010

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2022–2023

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–007	:	वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–008	:	सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
एम.एस.डब्ल्यू–009	:	सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.–017	:	समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001	:	एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002	:	महिला और बाल विकास
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003	:	आपदा प्रबंधन
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–07	:	अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू.–10	:	परोपकारी समाज कार्य का परिचय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः
जुलाई, 2022 सत्र – मार्च 31, 2023
जनवरी, 2023 सत्र – सितम्बर 30, 2023

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (द्वितीय वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

वैयक्तिक कार्य एवं परामर्शः व्यक्तियों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

वैयक्तिक कार्य ग्राहक संबंध के मार्गदर्शक सिद्धांतों का वर्णन करें। 20

2) परामर्श की प्रक्रिया में शामिल चरणों की संक्षेप में चर्चा करें। 20

अथवा

मनोविश्लेषणात्मक तकनीक की अवधारणा और प्रासंगिकता को आधुनिक परामर्श में इसकी उपयोगिता के संदर्भ में स्पष्ट करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) संचार प्रक्रिया में संदर्भ और संस्कृति के महत्व पर चर्चा करें। 10

ख) उन कारणों की व्याख्या करें जिनकी वजह से व्यक्ति कुछ समस्याओं के चरण में अपने सामान्य मुकाबला पैटर्न को अप्रभावी पाते हैं। 10

ग) साक्षात्कार को परिभाषित कीजिए। सामाजिक वैयक्तिक कार्य साक्षात्कार के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 10

घ) वैयक्तिक कार्य के साधनों पर विस्तार से प्रकाश डालिए। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) समस्या समाधान प्रक्रिया के चरण क्या हैं? 5

ख) व्यवहार संशोधन सिद्धांत की व्याख्या करें। 5

ग) परामर्श में किन्हीं दो मनोविश्लेषणात्मक तकनीकों का वर्णन कीजिए। 5

घ) परामर्श और मनोचिकित्सा में प्रयुक्त महत्वपूर्ण सिद्धांतों की सूची बनाएं। 5

ङ) समाज कार्य के अभ्यास के लिए बुनियादी पांच विशेषताओं पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

च) रिकॉर्डिंग के विभिन्न उद्देश्यों को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) बंदोबस्त आंदोलन 4

ख) अवतरण चिकित्सा 4

ग) केस रिकॉर्ड के रूप 4

घ) स्थानांतरण 4

ङ) अस्तित्व 4

च) प्रभावी संचार के लिए बाधाएं 4

छ) मार्गदर्शन परामर्श 4

ज) उदार दृष्टिकोण 4

सामाजिक समूह कार्य : समूहों के साथ कार्य करना
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–008
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समूहों की विशेषताओं की व्याख्या करें 20

अथवा

सामाजिक समूह कार्य के मॉडल पर चर्चा करें? 20

2) समूह नेतृत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करें । 20

अथवा

आपदा पीड़ितों के साथ समूह कार्य पर प्रकाश डालिए । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) समूहों के प्रकारों की व्याख्या करें। 10

ख) समूह विकास में समूह कार्यकर्ता की भूमिका पर चर्चा करें । 10

ग) सामाजिक समूह कार्य में रिकॉर्डिंग की व्याख्या करें । 10

घ) कैम्पिंग और भारतीय युवा संगठनों का वर्णन करें । 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) समूह कार्य और वैयक्तिक कार्य के बीच अंतर करें। 5

ख) समूह निर्माण की प्रक्रिया समझाएं। 5

ग) समूह कार्य के कौशल और तकनीक क्या हैं? 5

घ) शैक्षिक व्यवस्था में समूह कार्य पर चर्चा करें। 5

ङ) नेतृत्व के लक्षण सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 5

च) तीन प्रमुख समूह कार्य सेटिंग्स को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) सामुदायिक सेटिंग में समूह कार्य 4

ख) पारस्परिक मॉडल 4

ग) उपचार और कार्य समूह 4

घ) समूह संघर्ष 4

ङ) स्वयं सहायता समूह 4

च) सामाजिक क्रिया समूह 4

छ) समूह विकास 4

ज) समूह प्रक्रियाएं

सामुदायिक विकास के लिए समुदाय संगठन प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–009
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) आप समुदाय को कैसे समझते हैं? 20

अथवा

भारत में सामुदायिक संगठन के इतिहास पर चर्चा करें। 20

2) सामाजिक क्रिया के विभिन्न मॉडलों और उनकी विशेषताओं का वर्णन करें। 20

अथवा

समाज कल्याण प्रशासन के कार्यक्षेत्र की व्याख्या कीजिए। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) ग्रामीण, जनजातीय और शहरी क्षेत्रों में सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की व्याख्या कीजिए। 10

ख) समाज कल्याण नीतियों और कार्यक्रमों पर चर्चा करें। 10

ग) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास के बीच अंतर करें। 10

घ) आप सामाजिक क्रिया के गांधीवादी मॉडल से क्या समझते हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) जनजातीय समुदायों के सामने आने वाले समसामयिक मुद्दों को सूचीबद्ध करें । 5

ख) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर चर्चा करें । 5

ग) सामाजिक क्रिया के मॉडल का वर्णन करें । 5

घ) सामुदायिक आयोजक की भूमिकाओं पर चर्चा करें। 5

ङ) सामाजिक कार्य में रणनीतियाँ और युक्तियाँ क्या हैं? 5

च) एक पेशे के रूप में समाज कल्याण प्रशासन पर विस्तार से चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) शहरीकरण 4

ख) मलिन बस्तियां 4

ग) स्थानीय विकास 4

घ) विधि के संबंध में धारणाएं 4

ङ) SWOC (ताकत, कमजोरी, अवसर और चुनौतियाँ) विश्लेषण 4

च) सामाजिक अंकेक्षण 4

छ) धन उगाहना 4

ज) क्षमता निर्माण 4

समाज कार्य के समकालीन तरीके और मूल्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–017
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वकालत को परिभाषित करें। उदाहरण सहित इसके उद्देश्य के बारे में लिखिए। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य के साथ वकालत के संबंध की व्याख्या कीजिए। 20

2) समाज कार्य में नेटवर्किंग का क्या महत्व है? समाज कार्य में नेटवर्किंग के उपागमों और मॉडलों की विवेचना कीजिए। 20

अथवा

सामुदायिक संगठन के साथ नेटवर्किंग के संबंध की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) संसाधन जुटाने का क्या महत्व है? संसाधन जुटाने की योजना के चरणों को सूचीबद्ध करें। 10

ख) जनहित याचिका के साथ संसाधन जुटाने के संबंध की व्याख्या करें। 10

ग) शक्ति आधारित अभ्यास के दर्शन और सिद्धांतों पर चर्चा करें। 10

घ) समाज कल्याण प्रशासन के साथ शक्ति आधारित अभ्यास के संबंध की व्याख्या करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) जनहित याचिका की मुख्य विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

ख) जनहित याचिका को सामाजिक क्रिया से जोड़ने के बारे में लिखिए। 5

ग) एक प्रभावी जन जागरूकता अभियान के लिए प्रमुख तत्वों का उल्लेख करें। 5

घ) सामाजिक समूह कार्य और जागरूकता अभियान के बीच संबंध पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ङ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में सेवा पर चर्चा करें। 5

च) सामाजिक न्याय के सिद्धांतों की गणना करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) समाज कार्य के मूल्य के रूप में मानवीय संबंध 4

ख) किसी व्यक्ति की गरिमा और मूल्य की परिभाषा और अर्थ 4

ग) अखंडता का महत्व 4

घ) आचार संहिता में परिलक्षित योग्यता का मूल्य 4

ङ) समाज कार्य के मूल्य के रूप में पेशे के प्रति वफादारी 4

च) समाज कार्य व्यवसाय में देशभक्ति की भूमिका 4

छ) समाज कार्य अभ्यास में सांस्कृतिक संवेदनशीलता का महत्व 4

ज) सामाजिक कार्य पेशे में कड़ी मेहनत को एक मूल्य के रूप में पोषित करना 4

एचआईवी/एड्स : कलंक, भेदभाव और रोकथाम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) 'एचआईवी केवल एक महामारी के रूप में नहीं रह गया है, बल्कि एक विकासात्मक चिंता का विषय बन गया है।' इस कथन के प्रकाश में, भारत में एचआईवी और एड्स के सामाजिक और आर्थिक प्रभावों पर चर्चा करें। 20

अथवा

सामाजिक–आर्थिक निर्धारकों की चर्चा कीजिए जो एचआईवी संक्रमण के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 20

2) भारत में एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता और रोकथाम के संदर्भ में संचार की चुनौतियाँ क्या हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ वर्णन करें। 20

अथवा

भारतीय संदर्भ में प्रासंगिक उदाहरणों के साथ एचआईवीध्एड्स सेवा वितरण में सामाजिक कार्य भूमिकाओं के निहितार्थ पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी/एड्स से संबंधित सूचना तक पहुंच बनाने में जेंडर शक्ति संबंधों की भूमिका की व्याख्या कीजिए। 10

ख) एचआईवी/एड्स से पीड़ित बच्चे के क्या अधिकार हैं? 10

ग) असंगठित क्षेत्र के कामगार किस प्रकार एचआईवी/एड्स की चपेट में हैं? उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। 10

घ) एचआईवी/एड्स के विशेष संदर्भ में परामर्श के महत्व का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी/एड्स से जुड़े तथ्य और मिथक क्या हैं? 5

ख) भारतीय संदर्भ में एचआईवी के महामारी विज्ञान के पहलू पर चर्चा करें। 5

ग) एचआईवी/एड्स के विशेष संदर्भ में परामर्शदाता के कौशल और विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

घ) एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों से जुड़े कलंक और भेदभाव देखभाल करने वालों के प्रयासों में कैसे बाधा डालते हैं। 5

ङ) एचआईवी परीक्षण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं? 5

च) एचआईवी/एड्स से पीड़ित महिला से जुड़े कलंक और भेदभाव पर चर्चा करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) रोगसूचक एचआईवी संक्रमण 4
ख) हंटर थ्योरी 4
ग) उपशामक देखभाल 4
घ) राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) 4
ङ) सामुदायिक देखभाल 4
च) व्यवहार परिवर्तन संचार (बीसीसी) 4
छ) स्टीरियोटाइपिंग 4
ज) एचआईवी/एड्स फैलाव से संबंधित भ्रांतियां 4

महिला और बाल विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) .उपयुक्त उदाहरणों के साथ बाल देखभाल व्यवस्था में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की चर्चा करें? 20

अथवा

महिलाओं के विकास के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों और विधायी उपायों की संक्षेप में चर्चा करें? 20

2) भारत में महिलाओं के विकास के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की चर्चा करें? 20

अथवा

किशोरावस्था के साथियों के दबाव, पारस्परिक संबंधों और समाजीकरण के प्रभाव पर चर्चा करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) भारत में गरीब महिला साक्षरता दर के लिए जिम्मेदार कारक बताएं? 10

ख) भारत में लड़कियों के विकास के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों पर चर्चा करें? 10

ग) गंभीर परिस्थितियों में बच्चों के सामने आने वाली कठिनाइयों का विश्लेषण करें? 10

घ) पितृसत्ता महिलाओं को कैसे नियंत्रित करती है? संक्षेप में वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सहस्राब्दि विकास लक्ष्य' के बारे में चर्चा करें? 5

ख) सड़क पर रहने वाले बच्चों के लिए जिम्मेदार कारकों की सूची बनाएं? 5

ग) भारत में बच्चों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों का वर्णन करें? 5

घ) बच्चों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपायों की संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

ङ) पारिवारिक जीवन चक्र पर एक नोट लिखें। 5

च) बच्चों पर एचआईवी/एड्स के प्रभाव पर चर्चा करें 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) कूड़ा बीनने वाले 4

ख) मनोवैज्ञानिक सशक्तिकरण 4

ग) बाल विवाह 4

घ) पोषण 4

ङ) प्रतिरक्षा 4

च) समतावाद 4

छ) नारीवाद 4

ज) भारत में लिंग अनुपात 4

आपदा प्रबंधन
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) अपने क्षेत्र को प्रभावित करने वाले प्रमुख प्राकृतिक खतरों की सूची बनाएं और वर्णन करें कि ये खतरे आपके शहर/क्षेत्र/देश को किस प्रकार प्रभावित कर सकते हैं? 20

अथवा

आपदा से प्रभावित बच्चों के बीच विभिन्न प्रतिक्रियाओं और मुद्दों पर चर्चा करें? 20

2) समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन के घटकों का वर्णन करें? 20

अथवा

समुदाय आधारित आपदा मनोसामाजिक देखभाल मॉडल में एक स्कूल क्या भूमिका निभाता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) जोखिम मूल्यांकन के लिए विभिन्न उपकरणों की व्याख्या करें? 10

ख) आपदा प्रभावित कमजोर लोगों के मनोवैज्ञानिक सामाजिक मुद्दों पर चर्चा करें? 10

ग) स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नुकसान का वर्णन करें? 10

घ) आपदा प्रबंधन में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिका की व्याख्या करें? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) सूखे के विभिन्न कारणों की व्याख्या करें? 5

ख) मानव निर्मित आपदा आपात स्थितियों के लिए क्या करें और क्या न करें की सूची बनाएं? 5

ग) पूर्वानुमान और चेतावनी में क्या अंतर है? 5

घ) महिलाओं को आपदाओं के प्रति अधिक संवेदनशील क्यों माना जाता है? 5

ङ) प्राथमिक आईसीएस कार्य क्या हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) आपदा मनो–सामाजिक देखभाल में क्या करें और क्या न करें 4

ख) आपदा प्रबंधन चक्र की अवधारणा 4

ग) अभिघातजन्य तनाव विकार (PTSD) के बाद 4

घ) जोखिम मानचित्रण 4

ङ) शमन 4

च) सुनामी 4

छ) भूकंप 4

ज) जोखिम 4

अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–007
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य और समाज कार्य शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के बीच अंतर पर चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य के स्वदेशीकरण को परिभाषित करें। 20

2) दक्षिण अमेरिका में समाज कार्य और समाज कल्याण के विकास की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

एशिया में समाज कार्य अनुशासन के उद्भव और विकास का वर्णन कीजिए । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य अभ्यास के मूल्यों और विश्वासों के बारे में चर्चा करें। 10

ख) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य शिक्षा की आवश्यकता को परिभाषित करें। 10

ग) यूरोप में समाज कार्य शिक्षा की व्याख्या कीजिए। 10

घ) दक्षिण अफ्रीका में समाज कार्य अभ्यास के उद्भव के बारे में चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) अंतर्राष्ट्रीय समाज कार्य के इतिहास का वर्णन कीजिए। 5

ख) प्रशांत क्षेत्र में समाज कार्य अनुशासन के उद्भव और विकास की व्याख्या करें। 5

ग) विकास और राहत कार्यों में शामिल संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों को सूचीबद्ध करें। 5

घ) अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका के बारे में चर्चा करें। 5

ङ) प्रशांत क्षेत्र में समाज कार्य हस्तक्षेप के प्रमुख मुद्दों को स्पष्ट करें। 5

च) समाज कार्य इतिहास में विभिन्न 'मील के पत्थर' पर प्रकाश डालिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) फ्रांस में समाज कार्य 4

ख) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (UNHRC) 4

ग) वैश्विक नियामक निकाय 4

घ) आईएफएसडब्ल्यू 4

ङ) अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक मुद्दे 4

च) सांस्कृतिक क्षमता 4

छ) संस्कृति और उसके कार्य 4

ज) अंतर्राष्ट्रीय नीति निर्माण और वकालत 4

परोपकारी समाज कार्य का परिचय

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1. .परोपकार की प्रकृति की विवेचना कीजिए तथा इसके दार्शनिक आधारों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

परोपकार का दायरा क्या है? परोपकार के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालिए। 20

2. समकालीन युग में परोपकारी समाज कार्य को परिभाषित करें। 20

अथवा

परोपकारी समाज कार्य के लिए विभिन्न मानव संसाधनों को सूचीबद्ध करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और कॉर्पोरेट परोपकार का अर्थ परिभाषित करें। 10
ख) दुनिया के विभिन्न धर्मों को सूचीबद्ध करें। 10
ग) परोपकारी समाज कार्य में बदलते रुझानों की व्याख्या करें। 10
घ) परोपकारी समाज कार्य के कार्यक्षेत्र और क्षेत्रों का वर्णन करें। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) परोपकारी सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिकाओं और कौशल को परिभाषित करें। 5
ख) नागरिक समाज, इसकी अवधारणा और परिभाषाओं का वर्णन करें। 5
ग) परोपकारी क्षेत्र और सरकार के बीच संबंधों पर चर्चा करें। 5
घ) भारत में सीएसआर के विभिन्न चरणों पर प्रकाश डालिए। 5
ङ) सिख धर्म में परोपकार की व्याख्या करें। 5
च) नागरिक समाज संगठनों के प्रकार और कार्यों पर प्रकाश डालिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिएः

क) परोपकार और बौद्ध धर्म 4
ख) दाता एजेंसी 4
ग) परोपकार सामाजिक कार्य में तत्व 4
घ) महिला और परोपकार 4
ङ) सामाजिक आंदोलन 4
च) सरकार हितधारकों के रूप में 4
छ) भारत में स्वैच्छिक क्षेत्र से संबंधित नीतियां 4
ज) संघ 4